नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

डॉ. किशोर वासवानी का विशेष व्याख्यान

वर्धा दि. 19 फरवरी 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के भाषा

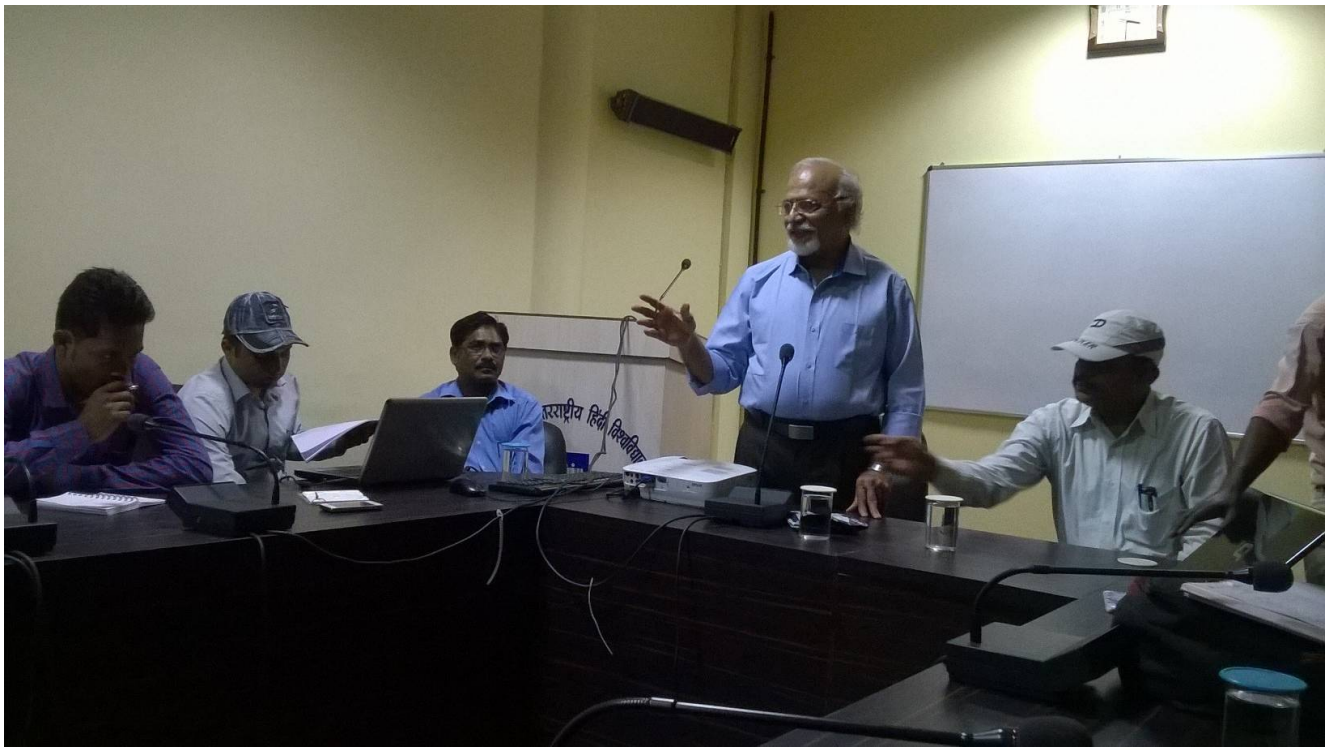

प्रौद्योगिकी विभाग में 16 फरवरी को डॉ. किशोर वासवानी का '**हिंदी उद्योग**' विषय पर विशेष व्याख्यान

आयोजित किया गया। डॉ. वासवानी ने हिंदी के पारंपरिक साहित्यिक विषय से हटकर उद्योग आधारित और विविध क्षेत्रों में अनुप्रयोग आधारित रूपों की चर्चा की। उन्होंने व्याख्यान में पूर्ण रूप से अनुप्रयोग की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। हिंदी अकादमिक जगत से बाहर सिनेमा और समाचार चैनल, मीडिया के क्षेत्र में तेजी से विस्तृत हो रही है, यह बताते हुए डॉ. वासवानी ने राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी के विकास हेतु अपेक्षित प्रयास किए जाने पर बल दिया।

उन्होंने भूमंडलीकरण के दौर में 'संप्रेषणपरक हिंदी' पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

की आवश्यकता पर बल दिया। पारंपरिक शिक्षण पद्धति के अतिरिक्त ऑडियो-विजुअल शिक्षण सामग्री के प्रयोग की जरूरत पर भी उन्होंने बल दिया और इस संदर्भ में कार्यशाला की आवश्यकता को रेखांकित किया।

इस अवसर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के संदर्भ में निर्मित डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। व्याख्यान में भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. एच. ए. हुनगुंद, डॉ. अनिल कुमार दुबे, डॉ. धनजी प्रसाद, सुषमा लोखंडे आदि सहित शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार दुबे ने किया तथा आभार डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने माना।